PARIVARTAN
परिवर्तन

TAKSHILA
तक्षशिला

चहकने की ललक

अंक – बाईस
अगस्त 2022 – नवम्बर 2022

ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : +91 8434170118

बाल संवाद

प्यारे दोस्तों
में हूँ चहकने की ललक। हर बार की तरह इस बार भी अंक 22 मेरे बाल लेखकों ने मेरे बारे में बहुत कुछ अच्छा लिखा है। इससे पता चलता है कि मुझसे मिलने के बाद उन बाल लेखकों में काफी कुछ बदलाव हुआ है। इस बार तो मेरे प्यारे लेखकों ने मुझे खुद से तैयार किया है अब कविताएं कहानियां लेख आपबीती चुटकुला जैसी कई सुंदर रचनाओं व चित्रों से मुझे सजाया है। सर्वप्रथम 2014 में मुझे प्रकाशित किया गया जिसमें मेरे बाल लेखकों ने अपनी रचना प्रदर्शित किया। उस दरमियाँ उन्हें बेहद खुशी हुई और लगातार मेरे लिए अपनी रचना लिखते रहे। आशा करता हूँ कि आगे भी ऐसे ही अच्छा लिखेंगे। यह परिवर्तन बाल अखबार सभी बच्चों का अखबार हैं। इस अखबार में सभी बच्चे अपने-अपने कला को दिखाने की कोशिश करते हैं।

आपका साथी
चहकने की ललक

नाम : आशिष कुमार, कक्षा : 6
गाँव : नारायणपुर

स्वतंत्रता दिवस

अभिनव, कक्षा 6, गाँव-संथू

15 अगस्त को हम अपने स्कूल में झंडा फहराने जाते हैं जब झंडा फहराता है तो उसी वक्त फिर राष्ट्रीय गान गाया जाता है। उसके बाद वहां पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। और उसमें हम सारे बच्चे डांस करते हैं। उसके बाद सारे बच्चे बहुत खुश हो जाते हैं उसके बाद मिठाई खाते हैं। उसके बाद हम लोग अपने अपने घर चले जाते हैं।

नाम : रिमझिम कुमारी, कक्षा : 2,
गाँव : नारायणपुर

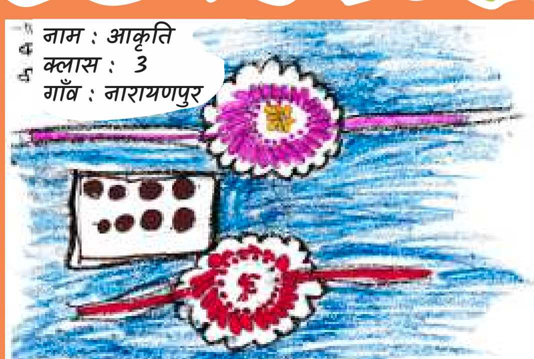

रक्षाबंधन

रक्षाबंधन के दिन बहन भाई को पहले टीका करती है। उसके बाद आरती उतारती है। फिर उसके बाद बहन भाई को राखी बांधती है। उसके बाद बहन भाई को मिठाई खिलाती है और भाई बहन को मिठाई खिलाता है। और उसके बाद भाई बहन को गिफ्ट देता है और भाई बहन को वचन देता है कि अगर बहन को कोई भी परेशान करता है या सताता है तो भाई उसे जरूर बचाएगा और स्कूल छोड़ने भी जाता है। अगर भाई बड़ा हो तो बहन उसके पैर छू कर प्रणाम करती है।

नाम : विक्की कुमार, कक्षा : 5
गाँव : नारायणपुर

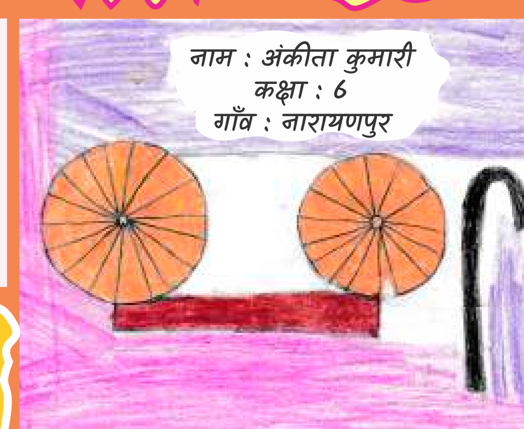

अनन्त पूजा

अनवत हिंदुओं का त्यौहार है। अनवर के दिन हम पूरे दिन भूखे रहते हैं और 12 बजे दोपहर में शरबत पीते हैं। और कथा सुनते हैं। पंडित जी के घर फिर अनवत बांधकर आते हैं उसके बाद खाना खाते हैं उस दिन बहुत अच्छा-अच्छा खाना बनता है खीर पूरी सेवई पराठा बनता है। और खाने में बहुत स्वादिष्ट लगता है एक थाली में पूजा का सामान लेकर जाते हैं।

नाम : विशाल कुमार, कक्षा : 5
गाँव : भवराजपुर

गाय और इंसान

पूरे घर में एक गाय है। हम उस गाय को बहुत अच्छे से रखते हैं। और मेरी गाय का नाम लक्ष्मी है। और हमारी गाय बहुत सुंदर है। हम उसे बहुत प्यार करते हैं। और हमारी गाय का कलर काला है। गाय भी हमें बहुत प्यार करती है। अपनी गाय को हम घास खिलाते हैं।

नाम : मंटू कु. महतो, कक्षा : 5
गाँव : भवराजपुर

आगामी थीम

1. धान की बालियाँ
2. रवि की बुवाई
3. पुस की रात
4. क्रिसमस डे (बड़ा दिन)
5. घना कोहरा
6. नानी की कहानी

चुटकुले

मोटू - पापा मुझे बाजा दिला दो
पापा - नहीं तुम सबको तंग करोगे
मोटू - नहीं करूंगा पापा जब सब सो जाएंगे तभी बजाऊंगा

महेंद्र - पापा कल हम माला माल हो जाएंगे
पापा - वह कैसे
महेंद्र - कल हमारे गणित के टीचर पैसे को रुपए में बदलना सिखाएंगे

राहुल - हम पानी क्यों पीते हैं
मोहित - क्योंकि हम पानी खा नहीं सकते हैं

नाम : टिंकू कुमार, कक्षा : 3,
गाँव : नारायणपुर

नागपंचमी

नागपंचमी के दिन हमारी माता और इया जल्दी उठती है और सूर्योदय होने से पहले हमारी माता और इया मिलकर आँगन को लिपती हैं। और घर में गोबर से नाग-नागिन बनाकर उसको सिंदूर से टिकती हैं उसके बाद आटा का जलेबी बनाया जाता है। और महुआ या कटहल के पत्ते पर यह मिठाई चढ़ा दिया जाता है। इस दिन नाग बाबा की पूजा की जाती है यह बहुत ही मनोरंजक का त्यौहार है।

नाम : आर्यन कुमार, कक्षा : 5,
गाँव : नारायणपुर

जल संरक्षण

जल संरक्षण का मतलब होता है। जल का बचाव करना। दुनियाँ में जल की बर्बादी बहुत हो रही है। हम भी अपने घरों में जल बर्बाद करते हैं। जैसे हम जल ब्रश करते हैं, नहाते हैं, बर्तन धोते होते हैं, कपड़ा धोते हैं, तो पानी के नल को खुला छोड़ देते हैं जिससे पानी बर्बाद होता है बड़े-बड़े शहरों में कारखाने के विषैले जल नदी में मिलकर नदी के जल को प्रदुषित करते हैं। गांव में भी लोग कई तरहो से पानी बर्बाद करते हैं। जैसे लोग तालाबों में बर्तन धोते हैं कपड़े धोते हैं, पशुओं को नहलाते हैं, उसमें कूड़ा कचरा फेंकते हैं। बल्कि नहाते भी हैं जिससे ये बीमार होते हैं।

नाम : अभिनव कुमार, कक्षा : 7, गाँव : संथू

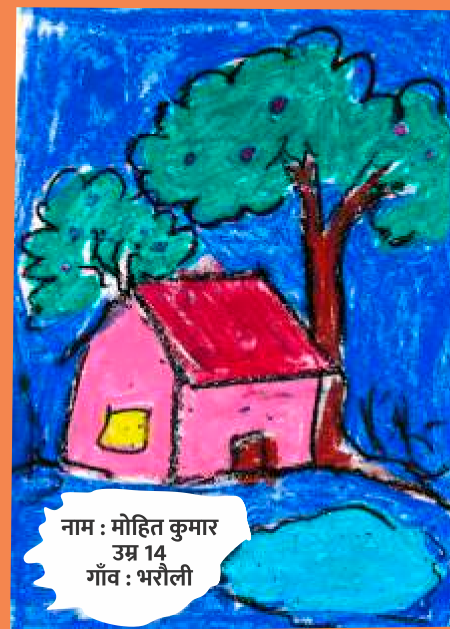

जामुन का पेड़

मेरे घर के पास बहुत सारे जामुन का पेड़ हैं और बहुत सारे लड़के और लड़कियाँ भी जामुन खाने आते हैं। और हम भी आते हैं। और जामुन खाते हैं। मेरे पापा जी भी और हमारी मम्मी जी भी खाती हैं। और भी दोस्तों को भी खिलाती हैं और पेड़ पर चढ़कर हम जामुन तोड़ते हैं। और दोस्तों के साथ खेलते हैं। और बहुत मजा आता है।

नाम : आशीष कुमार ठाकुर, कक्षा : ५
गाँव : भवराजपुर

आपबीती

पटना का सफर

मैं 2022 में पटना घूमने गई थी। अपने पापा और मम्मी के साथ हमलोग बस से सफर कर रहे थे। बस में टी.वी. चल रहा था। और मैं टी.वी. देख रही थी। कि भिखारी आ गया। और वह बस में घुस गया। और भीख मांगने लगा।

दे-दे राम, दिला दे राम।
देने वाला, सीता राम।।

वह ऐसे ही भीख माँग रहा था। उसके इस बात पर सब हँस रहे थे। मुझे भी हँसी आ गई मैं भी हंस दी। मैंने उसे दस रूपये दिया। मेरे पास में ही एक लड़की थी। जिसका नाम रागिनी था। वह भी पटना ही जा रही थी। उससे मेरी दोस्ती हो गई। बस ने हमें पटना उतार दिया। जिसके बाद में अपने मम्मी -पापा और अपनी दोस्त के साथ चिड़ियाँ घर घूमने गये। हमने वहाँ बहुत मस्ती की बहुत सारे पशु-पक्षी मैं देखा।

नाम : समां प्रवीन, क्लास : 6, गाँव : मियाँ के भटकन

कविता

पानी बरसा छम छम।
छाता लेके निकले हम।
पैर फिसल गया गिर गए हम
छाता नीचे ऊपर हम।

हे भगवान, हे भगवान।
हम बच्चे तेरे नादान।
पढ़-लिख कर हम बने महान
ऐसा दो हमको वरदान।

नाम : राशि, कक्षा : 5
गाँव : बंधू श्रीराम

अपनी बात

मेरा नाम शिल्पी कुमारी है। मेरा घर बंधु श्री राम है। मुझे पढ़-लिख कर आई.पी.स. अधिकारी बनना है। मुझे खेलना भी अच्छा लगता है। खेल में मुझे खो-खो खेलना पसंद है। इन सबके अलावा मुझे क्राफ्ट के काम करना अच्छा कुछ गुलदस्ता बना कर घर को सजाना।

नाम : शिल्पी, कक्षा : 6, गाँव : बंधू श्रीराम

पहेलियाँ

- एक फूल काले रंग का सबके सिर सहाय। तेज धूप में खिल रहे, छाया देख मुरझाए।
- वह कौन-सी चीज है। जो सूखा तो एक किलो गीला तो दो किलो। और जल गया तो तीन किलो।
- कटोरे पे कटोरा, बेटा बाप से भी गोरा।
- ललकी गयीया बड़ी मरखईया ओकर दुधवा बड़ी मिठाइयां।
- ऊपर भी जाती हैं, नीचे भी जाती है। पर अपनी जगह से हिलती नहीं है।

नाम : आकाश कुमार, कक्षा : 5, गाँव : भवराजपुर

1. छाता 2. कोयला 3. नारियल 4. मधुमक्खी 5. सीढ़ी

हमार बोली

हमारा गाँव से बहुत पर्व मनावल जाला हमारा गाँव में रक्षा बंधन भी मनावल जाला। रक्षा बंधन बहुत धूम धाम से मनावल जाला रक्षाबंधन साल में एक बार आवेला। ओह दिन बहिन आपन भाई के राखी बांधेली कुम-कुम लगावे ली और मिठाई खिलावे ली भाई खुशी से आपन बहीन के तोफा देवेलन सब लोग नया-नया कपड़ा पेहेनले रहेगा। दोकान पे रंग बरिंग के राखी बेचेला खुब अच्छा-अच्छा मिठाई बेचाला पूरा दोकान पर भीड़ लागल रहेला गाड़ी बस सड़क पर खुब चलेला पूरा गाँव में हल्ला से भरल रहेगा

नाम : अंकिता कुमारी, कक्षा : 6,
गाँव : नारायणपुर

बापू

गाँधी जी को प्यार से बापू कहते है। गाँधी जी का पूरा नाम मोहन दास करम चन्द्र गाँधी था। गाँधी जी लाठी के सहारे चलते थे। गाँधी जी हमारे राष्ट्रीय पिता भी थे। गाँधी जी की पत्नी का नाम कस्तुरबा गाँधी था। गाँधी जी एक नेक और दयालु इंसान थे।

नाम : जीतेश कुमार,
कक्षा : 5, गाँव : भवराजपुर

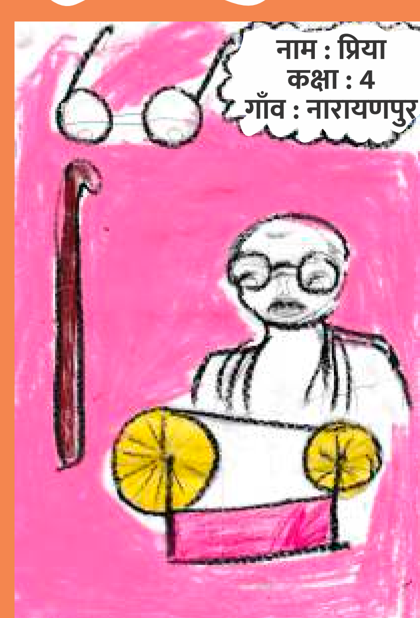

माथापच्ची

- कारगिल युद्ध कब शुरू हुआ था?
- कारगिल युद्ध कितने फीट ऊँचाई पर लड़ा गया?
- कारगिल युद्ध में कितने जवान शहीद हुए थे?
- बिहार का राष्ट्रीय वृक्ष कौन सा है?
- बिहार का राष्ट्रीय मछली कौन सा है?
- बिहार का राष्ट्रीय फूल कौन सा है?
- सबसे प्रसिद्ध भारतीय सैनिक कौन है?

नाम : राशि कुमार, कक्षा : 7,
गाँव : बंधू श्रीराम

1. 3 मई । 1999 2. 18 हजार फीट 3. 543
पीपल 5. मांगुर 6. गेंदा 7. विक्रम बत्रा

शिक्षकों की कलम से

किताबों में बहुत सारी कहानियां जीवन मूल्यों पर होती हैं। पहले वह कहानियां पढ़ाना कोर्स पूरा करने तक सीमित थी। अब हर कहानी खुद के अंदर झांकने को कहती है और अगर वह जीवन मूल्य खुद पर लागू नहीं होता तो असहाय लगता है। मैं कल्पना करता हूँ कि अगर मैं बच्चों को निस्वार्थ प्रेम की शिक्षा दे रहा हूँ और अंदर किसी के प्रति मन में नफरत पल रही हो तो क्या होगा? जवाब एक ही है किताबों के कोर्स पूरे होते देखेंगे पर जीवन के कोर्स अधूरे थे और रहेंगे। यह विरोधाभास आनंदित कैसे करेगा? अब शिक्षा को जीवन की तैयारी से जोड़ना जरुरी है और उद्देश्य भी तो यही है। चलिए अपने अंदर देखते हैं और हर कोर्स को ठीक से पूरा करते हैं।

नाम : दीपक कुमार सिंह
फैसिलिटेटर पुस्तकालय